प्रस्तावना

मिस्टर गलिबल की इच्छा के मुताबिक मैं उनकी एक अजीबोगरीब कहानी सुनाने की कोशिश कर रहा हूं, जो उन्होंने अपने जीवन के अंतिम दिनों में मुझे सुनाई थी। थोडी सी लेखकीय छूट लेने के बावजूद मैंने पूरी कोशिश की है कि उनकी सुनाई कहानी बिना कोई फेरबदल के ज्यों की त्यों आपको सुनाऊं। अपनी रोमांचक यात्रा के दौरान वे जिन लोगों और घटनाओं से रूबरू हुए यह किताब उसका आंखों देखा वर्णन है।

एक जबरदस्त तूफान

समुद्री तट पर बसे एक कस्बे में, जहां अब फिल्मी सितारों की शानदार गाडियां दौडा करती हैं, बहुत पहले एक लडका रहता था, जिसका नाम था जोनाथन गलिबल। एक साधारण सा लडका था गलिबल हालांकि उसके मां बाप उसे बहुत समझदार, जिम्मेदार और शानदार खिलाडी मानते थे। वे कस्बे की मुख्य सडक पर मौजूद एक पंसारी की दुकान में दिन भर कडी मेहनत करके आजीविका चलाते थे। यहां मछुआरों की गहमागहमी बनी रहती थी। यहां के लोगों में बहुत सारे मेहनती थे, कुछ लोग अच्छे थे, कुछ बुरे थे और ज्यादातर बस औसत थे।

जब वह घर के काम या अपनी दुकान के काम से दौड-भाग नहीं कर रहा होता था तो जोनाथन थोडे रोमांच की तलाश में अपनी छोटी सी नाव को समुद्री घाट पर बनी एक संकरी सी धारा में डाल देता था। बहुत सारे युवाओं की तरह जिन्होंने अपना लडकपन यहां बिताया, जोनाथन को भी कस्बे का अपना जीवन थोडा उबाऊ लगता था। उसे लगता उसके आसपास के लोग कितना एकरस सा जीवन जी रहे हैं। कोई भी जीवन को रोमांचक बनाने के लिए कुछ नया नहीं कर रहा है। वह समुद्र किनारों से आगे खुले में जा कर अनूठे जहाज और समुद्री सांप देखना चाहता था। वह कल्पना करता कि उसकी नाव समुद्री लुटेरों के जहाज से टकरा जाए और वे उसे अपने जहाज में बंधक बना लें जिससे उसे सात समुद्रों की सैर का मौका मिल जाए। कभी वह सोचता कि शायद कोई व्हेल का शिकारी अपनी शिकार की मुहिम में उसे भी शामिल कर ले। समुद्री जहाज की सैर के उसके ये सारे सपने तब टूटते जब उसका पेट भूख से गडगडाने लगता या प्यास से उसका गला सूख जाता। उसके बाद तो सिवाय खाने के उसे कुछ और नहीं सूझता।

बसंत के ऐसे ही एक सुहाने दिन, जब हवा धूप से सूखी चादर की तरह कडक थी, समुद्र नाव चलाने के लिए इतना बढ़िया लग रहा था कि जोनाथन ने बिना कुछ सोचे समझे फौरन अपनी नाव निकाली और निकल पडा सैर को। इस अफरातफरी में उसे अपने लिए खाना रखने या मछली पकडने के उपकरण भी नाव में रखने की याद नहीं रही। जैसे ही वह लाइटहाउस के चट्टानी हिस्से से बाहर निकल कर खुले समुद्र में पहुंचा उसे लगा वह उस विशालकाय कोंडोर (गिद्ध जैसा एक पक्षी) की तरह हल्का हो कर उड रहा है जिसे वह समुद्र तटीय पहाड़ों के ऊपर उडता देखता था। हल्की-हल्की हवा की ओर उसकी पीठ थी इसलिए वह क्षितिज पर जमा हो रहे घने काले बादलों को नहीं देख पाया।

जोनाथन ने नाव को समुद्री किनारे से इतना आगे तक लाना हाल ही में शुरू किया था लेकिन उसका आत्मविश्वास बढ़ता जा रहा था। जब हवा तेज़ होनी शुरू हुई तो उसे इसका अहसास नहीं हुआ, जब तक वह कुछ समझ पाता बहुत देर हो चुकी थी। जल्दी ही वह एक जबरदस्त तूफान से घिर चुका था। वह उन तेज़ हवाओं से बुरी तरह से लड रहा था। उसकी छोटी सी नाव कॉर्क की तरह समुद्र की उफनती लहरों में पछाडे ले रही थी। तूफानी हवाओं से अपनी नाव को बचाने की उसकी हर कोशिश बेकार साबित हो रही थी। आखिर में हार मान कर, इस आशा में कि नाव डूबेगी नहीं वह उसके दोनों किनारों को कस कर पकड कर उसके निचले हिस्से में लेट गया। डरावने भंवर में दिन और रात का अंदाजा लगा पाना असंभव हो गया था।

आखिरकार जब तूफान थमा, जोनाथन की नाव तहस-नहस हो चुकी थी, मस्तूल टूट गया, पाल फट चुका था। समुद्र अब हालांकि शांत हो चुका था लेकिन एक घना कोहरा चारों ओर घिरा हुआ था। उसकी टूटी हुई नाव पर भी कोहरे का पर्दा पड़ा था और कुछ भी नज़र नहीं आ रहा था। कई दिनों तक नाव पर इसी हालत में रहते उसका पीने का पानी खत्म हो गया था और वह नाव के कैनवस से टपकते कोहरे के पानी से ही अपने प्यासे होंठों को गीला भर कर पा रहा था। और फिर कोहरा हट गया तो जोनाथन को दूर किसी द्वीप के धुंधले से किनारे दिखाई दिए। जब वह और नज़दीक पहुंचा तो उसने पाया कि वह किसी नई जगह पहुंच चुका था। यह अजनबी द्वीप रेतीले समुद्री तट और हरियाली से भरपूर पहाड़ियों से घिरा था।

पानी की लहरें उसे कम गहराई वाली समुद्री चट्टान तक ले गई। उसने अपनी नाव वहीं छोड़ी और तैर कर किनारे पहुंच गया। जोनाथन ने जल्दी ही तट से आगे फैले आद्र जलवायु वाले जंगल में

लगे गुलाबी रंगत वाले अमरूद, पके केले और अन्य स्वादिष्ट फलों को खोज निकाला और जी भर कर खाया। जैसे ही उसके शरीर में थोड़ी ताकत आई तो जोनाथन को उस जगह खुद के बिल्कुल अकेले होने का अहसास हुआ, लेकिन वह फिर भी खुश था कि कम से कम वह ज़िंदा तो था। वैसे सच पूछा जाए तो तूफानी हादसे के बाद अचानक सामने आई इन परिस्थितियों से वह रोमांचित ही था। उसने तुरंत ही समुद्र के रेतीले तट के किनारे-किनारे चलना शुरू कर दिया ताकि इस अजनबी नई जगह के बारे में कुछ औ◌ेर जान सके।

पृष्ठभूमि

जोनाथन की कल्पना पहली बार *गुलिवर्स ट्रैवल्स* और *दि लिटिल प्रिंस* पढ़ने के बाद की गई।

साथ ही, इसे संयोग कहा जाय या अवचेतन में छिपी बात कि "जे.जी." जॉन गाल्ट के नाम के पहले अक्षर भी हैं। जॉन गाल्ट ऐइन रैंड की किताब एटलस श्रॉग्ड का एक पात्र है। नीति, ताकत, अर्थशास्त्र और सरकार के सही भूमिका पर समाज के समाज की पुरानी सोच को चुनौती देने के लिहाज से रैंड की यह किताब बहुत प्रसिद्ध है।

एंटोन डे सेंट एक्ज्युपेरी की *दि लिटिल प्रिंस* एक ग्रह पर अकेले रह रहे एक राजकुमार की रहस्यभरी कहानी है। इस कहानी में दिमाग की आत्मनिर्भरता, कल्पनाशीलता और संवेदनशीलता को दिखाया गया है। *सेंट एक्स* नाम से बनी फिल्म में एंटोन डे सेंट एक्ज्युपेरी के जीवन को द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान एक निडर विमान चालक के रूप में दिखाया गया है।

जोनाथन स्विफ्ट की गुलिवर्स ट्रैवल्स को अक्सर बच्चों के लिए लिखी गई कहानियां समझ लिया जाता है। लेकिन इस किताब की तरह यह कहानी भी दुनिया के सामने आज की राजनीति की असलियत दिखाने के उद्देश्य से लिखी गई। इसमें आज के दौर के कुछ नकारात्मक पहलुओं की सच्चाई को दिखाया गया है।

कोंडोर (गिद्ध जैसा एक पक्षी) उत्तरी अमेरिका का सबसे विशालकाय उड़ने वाला पक्षी है।

बॉक्स

अपने जीवन के मालिक आप खुद हो। अगर आप इस बात को मानने से इंकार करते हो तो इसका मतलब यह है कि आपके जीवन पर आपसे ज्यादा अधिकार किसी दूसरे आदमी का है।

जोनाथन गलिबल के मार्गदर्शक सिद्धांत से लिया गया एक अंश